❖ अमरावती, गुरुवार ११ से १७ जुलाई २०२४ ❖ वर्ष १५ ❖ अंक ०३ ❖ पृष्ठ ८ ❖ मूल्य १०/- ❖पोस्टल रजि. नं. ATI/RNP/268/2022-2024 डाक : शुक्रवार – शनिवार

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

www.vidarbhswabhiman.com

गौरव विशेषांक

E-Mail-vidarbh.swabhiman@gmail.com

मंगल हो...

मा.कमलताई गवई

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

समय कितना बलवान होता है, प्रेम, अपनापन रहे तो व्यक्ति झोपड़ी में भी अत्याधिक आनंद प्राप्त कर सकता है लेकिन अगर प्रेम नहीं रहे तो महल में भी उसे खुशी नहीं मिलती है. खुशियां स्थान, पद, प्रतिष्ठा नहीं देखती हैं, वह तो आपका निर्मल मन देखती हैं. जिन लोगों का मन निर्मल होता है, उनके साथ जीवनभर किसी की अनबन नहीं होती है. जब सभी साथ होते हैं तो खुशियां स्वयं ही बढ़ जाती हैं. इसलिए स्वयं भी खुश रहो और अपने इर्द-गिर्द वालों को भी खुश रखने का निरंतर प्रयास करते रहें. आपका दिन शुभ हो.

आत्मीयता, ममता की सागर हैं डॉ. कमलताई

मंगल हो...!
मंगल हो...!
मंगल हो...!

जीवन में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनके साथ पहली मुलाकात ही सभी के लिए यादगार हो जाती है, ऐसे लोगों की ममता, आत्मीयतात, दूसरों को दिया जाने वाला सम्मान जीवन का आदर्श बन जाता हैं, ऐसे ही लोगों में शामिल हैं डॉ.कमलताई गवई. उनके एक-दो मुलाकात में ही व्यक्ति उनके महासागर जैसे व्यक्तित्व का कायल हुए बगैर नहीं रहता है. एक दो भेंट में ही उनके व्यक्तित्व का पता चल जाता है. अमरावती जिले ही नहीं तो समूचे राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर जाने-माने वरिष्ठ नेता पूर्व राज्यपाल दादासाहब गवई की धर्मपत्नी डॉ. कमलताई गवई भी कुछ इसी तरह की व्यक्तित्व हैं. वे जहां अपार ममता,आत्मीयता से लबरेज रहती है वहीं मां के रूप में कार्यकर्ताओं को उनका मिलने वाला मार्गदर्शन सभी के लिए प्रेरणादाई होता है.

सुभाष दुबे
मो.नं.९४२३४२६१९९

वैसे तो कईयओं से मुलाकात होती रहती है लेकिन माय माऊली से मुलाकात ही अलग प्रेरणा देती है.हर मुलाकात में उनका अपनेपन वाला एक नया रूप देखने को मिला है. कार्यकर्ताओं को जहां भी पुत्रवत मानती हैं वहीं दूसरी ओर विपश्यना शिविर के माध्यम से लाखों लोगों के जीवन में स्वास्थ्य एवं तारों ताजापन लाने का प्रयास करती हैं. १३ जुलाई को संत ज्ञानेश्वर संस्कृतिक भवन में जन्मदिन के उपलक्ष्य में डॉ.कमलताई गवई नागरी सत्कार समिति द्वारा उनके भव्य नागरी सत्कार का आयोजन किया गया है. इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ केंद्रीय सामाजिक अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले सहित कई मान्यवारों की उपस्थिति रहेगी. ताई का कहना है कि मानवता की सेवा से बड़ी दूसरी सेवा नहीं हो सकती है. हर मानव को दूसरे मानव की मदद का प्रयास करना चाहिए. आपका मंगल हो से सभी का स्वागत करती हैं. धरती पर जिस दिन मानव मानव का सही मायने में मित्र हो जाएगा अनगिनत समस्याओं का उसी दिन समाधान हो जाएगा.

अमरावती की जानी मानी हस्ती होने के बावजूद भी उनकी सादगी, अपनापन और किसी की भी बात को सुनने और समझने की अपार क्षमता के कारण लाखों कार्यकर्ता आज उन्हें मां के रूप में मानते हैं और सम्मान देते हैं. स्वास्थ्य कारणों के चलते यद्यपि उनकी सार्वजनिक कार्यक्रमों में उपस्थित कम हुई है लेकिन आज भी वे जिस भी कार्यक्रम में जाती हैं ऐसे कार्यक्रमों की गरिमा निश्चित तौर पर बढ़ जाती है. डॉ. कमलताई गवई का कहना है कि जीवन में हर व्यक्ति को अपने माध्यम से मानवता का दीपक जलाए रखने का प्रयास करना चाहिए. जितना संभव हो उतना किसी पीड़ित की मदद करने का प्रयास करना चाहिए. सकारात्मक सोच का जीवन में अत्यधिक महत्व होता है. वे कहती हैं कि जो व्यक्ति जीवन में कभी भी किसी का बुरा नहीं सोचता है उसका कभी बुरा नहीं हो सकता है. ताई का १३ जुलाई को जन्मदिन है. इस उपलक्ष में विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, दीर्घायु रहें यही कामना जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं.

संपादकीय .....

विशेष अतिथि संपादक

सुदर्शनजी गांग की कलम से

महानता में भी सादगी, संवेदनशीलता की प्रतिमूर्ति

गवई परिवार न केवल अमरावती बल्कि देश–विदेश में अमरावती की शान रहने की बात कहना गलत नहीं होगा. स्व.दादासाहब गवई की शालीन राजनीति, कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीयता तथा सिद्धांतों की राजनीति ने देश के आदर्श नेताओं की पंक्ति में रखा. इस परिवार के सदस्य आज न्याय, राजनीति,सामाजिक क्षेत्र में देश की सेवा में योगदान दे रहे हैं. विवादों से सदैव दूर रहने के साथ ही सदैव आदर्श परिवार के रूप में इस परिवार की ख्याति रही है. दादासाहब गवई के बाद परिवार की मुखिया उच्च विद्याविभूषित मातृत्व से ओतप्रोत रहने वाली डॉ. कमलताई गवई ने पार्टी, सामाजिक सेवा का व्रत लगातार आगे बढ़ाने का कार्य किया. सभी की मंगल कामना करने वाली माय माऊली हजारों लोगों के लिए प्रेरणा की जहां केन्द्र बनी, वहीं दूसरी ओर विपश्यना केन्द्र संचालिका के रूप में लाखों लोगों को जीवन जीने की प्रेरणा देने का कार्य किया. आनंद परिवार द्वारा दीपावली पर आयोजित होने वाले ग्राहक मिलन कार्यक्रम में ममता की मूर्ति तथा सम्पन्नता में भी सादगी की मिसाल ताई ने जहां पुरी तलने का कार्य किया, वहीं सामाजिक और सेवाभावना इस कदर मजबूत पैठ रखती है कि सामाजिक कामों में अग्रणी डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडली के लिए समाचार पत्रों की रद्दी अपने सिर पर उठाने वाली खूबी निश्चित ही उनकी महानता का प्रतीक कहना गलत नहीं होगा. उनके ८२ वें जन्मदिन पर अमरावती की शान माऊली को मंगल हार्दिक शुभकामनाएं. हम कामना करते हैं कि वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और अमरावतीवासियों को उनकी मां जैसी ममता सदैव मिलती रहे. परिवार के सभी सदस्यों ने आज न केवल राज्य बल्कि देश–विदेश में अपना स्वयं का स्थान बनाया है. हर क्षेत्र में इस परिवार की कामयाबी, शिक्षा संस्था के माध्यम से दीन–दलितों,पीडितों को ज्ञान के माध्यम से जीवन रोशन करने का व्रत बेटी कीर्तिताई अर्जुने जहां निभा रही हैं, वहीं न्यायदान के क्षेत्र में परिवार की गरिमा को चोटी पर पहुंचाने का काम किया जा रहा है. डॉ. राजेन्द्र गवई पिता की राजनीतिक विरासत को संभालने का प्रयास कर रहे हैं. पत्रकारिता के ३५ साल में ४–५ मौकों पर डॉ.कमलताई गवई के साथ सार्वजनिक कार्यक्रम में समाजसेवी सुदर्शन गांग, डॉ.सुभाष गवई, डॉ. गोविंद कासट,प्रदीप जैन, अरूण कडू के साथ शामिल होने का मौका मिला. ममतामई डॉ. गवई की आत्मीयता देखकर मुझे यह लगा ही नहीं कि मैं उनसे पहली बार मुलाकात कर रहा हूं. आनंद परिवार के ग्राहक सम्मेलन में पुरी तलने से लेकर प्रसाद बांटने की सादगी बहुत कुछ कहती है. दिखावा का लवलेश नहीं रहता है. उनकी ममता मुझ जैसे लाखों लोगों को प्रेरणा देने का काम करते हैं. उम्र के ८२ साल की होने के बाद भी आज भी सामाजिक सक्रियता किसी को भी हैरत में डाल सकती है. आत्मीयता, विद्वता, सादगी के साथ ही गरीब–अमीर के भेद से पूरी तरह से दूर रहने के कारण हजारों कार्यकर्ता उनके एक शब्द पर कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं. वे कहती हैं कि डॉ.बाबासाहब आंबेडकर किसी एक जाति के नहीं बल्कि समूची मानव जाति के आदर्श हैं. उन्हें जीवन में अपनाने से देश आगे बढेगा. माऊली को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएँ.

अपनेपन की सागर हैं माऊली

अमरावती जिले ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर के नेता, पूर्व सांसद और पूर्व राज्यपाल दादासाहब गवई परिवार सामाजिक, शैक्षिक, राजनीतिक तथा अन्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर पहचाना जाता है. रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के माध्यम से जहां दादासाहब गवई ने हजारों कार्यकर्ता तैयार किए हैं वहीं दूसरी ओर दादासाहब गवई चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से संचालित विद्यालय से लेकर अभियांत्रिकी महाविद्यालय एवं अन्य शिक्षा संस्थानों के माध्यम से हर साल हजारों छात्रों का भाग्य संवारने का कार्य यह परिवार कर रहा है. लाखों के लिए प्रेरणादायी दादासाहब गवई के पश्चात इस परिवार तथा शैक्षिक संस्थानों की जिम्मेदारी माऊली डॉ. कमलताई गवई पर आ गई. उन्होंने जहां दुख की घड़ी में स्वयं को संभालने के साथ परिवार तथा हजारों कार्यकर्ताओं को भी संभालते हुए परिवार,पार्टी, सामाजिक सेवा का व्रत लगाता आगे बढ़ाने का कार्य किया. सभी की मंगल कामना करने वाली माय माऊली लाखों लोगों के लिए प्रेरणादायी व्यक्तित्व हैं. उनकी सादगी किसी के लिए भी महत्वपूर्ण आईना हो सकती है.

हजारों छात्रों का जीवन संवारने में माय माऊली का योगदान रहा है. परिवार के मुखिया के रूप में निश्चित ही सभी के लिए प्रेरणादाई व्यक्तित्व हैं. तमाम ऊंचाइयों के बाद भी उनकी आत्मीयता और विनम्रता किसी को भी बिना प्रभावित किए नहीं रहती है.उनकी सादगी तथा पहली मुलाकात में ही बातचीत करने का उनका अंदाज देखकर कोई भी यह अंदाजा नहीं लग सकता की वे तीन राज्यों के पूर्व राज्यपाल रह चुके राष्ट्रीय स्तर के नेता की धर्मपत्नी हैं. जिनके दोनों बेटे आज राष्ट्रीय स्तर पर जानी–मानी हस्ती हैं. बेटी कीर्ति ताई ने माता–पिता के आदर्श सिद्धांतों पर चलते हुए आज भी पिता दादासाहब गवई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालय से लेकर अभियांत्रिकी महाविद्यालय को न केवल जिले बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन शिक्षा का केंद्र बना दिया है. सभी की माय माऊली डॉ.कमलताई गवई को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, उन्हें दीर्घायु हों, यही कामना.

मां के रूप में जहां उन्होंने परिवार तथा कार्यकर्ताओं को ममता दी वहीं दूसरी ओर परिवार को एकता के सूत्र में बांधे रखा. जिले ही नहीं तो राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर इस परिवार को आदर्श उच्च शिक्षित समाज तथा राष्ट्र के लिए समर्पित परिवार के रूप में जाना जाता है. डॉ. कमल ताई गवई स्वयं उच्च विद्या विभूषित हैं. कार्यकर्ताओं और परिवार के साथ ही लाखों लोगों के लिए माय माऊली के रूप में उन्होंने सम्मान हासिल किया है. हर कार्यकर्ता को जहां वे अपनापन देती है वहीं कार्यकर्ताओं के सुख दुख में सदैव मदद के लिए तत्पर रहती हैं. उनके इसी स्वभाव के कारण वे जहां भी रहती हैं कार्यकर्ताओं की सदैव भीड़ रहती है. संस्था के माध्यम से लाखों दीन–दलितों, गरीबों और समाज के हर तबके के बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाते हुए उनका राष्ट्र के विकास में उपयोग करने के लिए सदैव तत्पर रहती हैं. इस परिवार ने जहां दलितों को ज्ञान के रूप में रोशनी देकर अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने का कार्य किया है, वहीं दूसरी ओर बेहतरीन शिक्षा के माध्यम से

सुदर्शन गांग
ट्रस्टी, भारतीय जैन संगठन.

हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान यह पत्र मालिक, प्रकाशक, सम्पादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे ने एस.बी. प्रिन्टर्स, गांधी चौक,जिला अमरावती (महाराष्ट्र)से मुद्रित कर प्रकाशित किया है. मुद्रक-श्री संदीप बागडे,एस.बी. प्रिन्टर्स, गांधी चौक,अमरावती.जिला अमरावती (महाराष्ट्र).प्रकाशन स्थल-साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती. (महाराष्ट्र) मुख्य सम्पादक-सुभाषचंद्र जे.दुबे (पी.आर.बी.कानून के अनुसार सर्वस्वी जवाबदार).मुख्य प्रबंधक- वीणा दुबे,(सभी विवाद अमरावती न्यायालय अंतर्गत)आर.एन.आई.रजिस्ट्रेशन नंबर MAHHIN/2010/43881 मोबाइल नं.-*09423426199,8855019189/8208407139*
E-Mail-vidarbh.swabhiman@gmail.com

स्व.दादासाहब गवई की सावली, हम सभी की माऊली

सम्पन्नता में विनम्रता की प्रतिमूर्ति

सम्पन्नता में भी कोई विनम्रता की प्रतिमूर्ति कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण हम सभी के लिए माऊली समान डॉ. कमलताई गवई हैं. माऊली का ८२ वां जन्मदिन १३ जुलाई को जाने-माने समाजसेवी और पूर्व विधायक डॉ. गिरीशभाऊ गांधी की अगुवाई में अमरावती नगरी में होने जा रहा है. पूर्व राज्यपाल, राष्ट्रीय स्तर के नेता पूर्व सांसद रा.सू. उर्फ दादासाहब साहेब गवई की धर्मपत्नी के रूप में लेडी गवर्नर डॉ.कमलताई गवई ने अत्यंत विपरीत स्थितियों में भी उनका छाया के रूप में साथ दिया और संभालने का काम किया. राष्ट्रीय नेता दादासाहब गवई के जाने के बाद बिना हिम्मत हारे उन्होंने उनके सेवा कार्य को पूरे उत्साह के साथ संभाला, बल्कि उनकी जनहितकारी नीतियों पर चलते हुए जनसेवा का नया आदर्श भी स्थापित किया.

आज की स्थिति में भी सभी के लिए माऊली डॉ.कमलताई गवई भूमिका निभा रही है. विपश्यना केंद्र एवं उसकी सभी जिम्मेदारी में व्यस्त रहने के बाद भी महानगर ही नहीं तो जिले भर में कार्यकर्ताओं के कार्यक्रमों में उत्साह

के साथ उपस्थिति रहती है. समाजसेवा में स्वयं को झोंकने वाले डॉ. गोविंद भाऊ कासट मित्र मंडल के विभिन्न सामाजिक कार्यों में सहभागिता करते हुए समाज को अपना मार्गदर्शन दे रही है. इस दौरान उनका उत्साह अन्य को प्रेरणा देने का काम करता है. उनकी सादगी, अपनापन किसी को भी बिना प्रभावित किए नहीं रहता है.

हर कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति से जिस तरह का उत्साह और आनंद पैदा होता है इसका अनुभव हम लोग कई वर्षों से कर रहे हैं. पूर्व लेडी गवर्नर के पद से सम्मानित रहने के बाद भी उनकी सादगी हर कार्यक्रम में

प्राचार्य डॉ.सुभाष गवई
अध्यक्ष, विदर्भ महारोगी सेवा मंडल, तपोवन, अमरावती.

अलग ही छाप डालने का कार्य करती हैं. वे जिस कार्यक्रम में सहभागी होती हैं, उसे कार्यक्रम की गरिमा अपने आप बढ़ जाती है.

२ साल पहले आनंदवन के प्रमुख डॉ. विकासभाऊ आमटे के अमृत महोत्सव वर्ष में डॉ. गोविंदभाऊ कासट, डॉ.कमलताई गवई, मैं कई बार वरोरा स्थित आनंदवन जाने का मौका मिला. कई स्थानों पर हम साथ में रहे ऐसे समय मां जैसी ममता का अनुभव हम सभी ने किया. घर से ही सभी के लिए टिफिन लाने से लेकर सभी की चिंता तक खिलाने का कार्य उन्होंने मातृवत किया. जिस तरह से आत्मीयता से आग्रह करती हैं, आज के दौर में इस तरह की आत्मीयता बहुत कम देखने में मिलती है. सामाजिक कामों के अलावा राजनीति पर बातचीत करते समय पुराने कई प्रसंगों को वे बताती हैं. इन प्रसंगों को बताते समय भी पूरी तरह से राम जाती है. उनके साथ लंबे समय तक रहने का मौका कई बार हम सभी को मिला है, इसमें गोविंद भाऊ कासट, समाजसेवी तथा भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी सुदर्शनजी गांग, प्रदीपभाऊ जैन और स्वयं मैं भी इसका अनुभव रखता हूं. उनके साथ रहते समय मां के साथ रहने की अनुभूति हम लोग सदैव करते हैं. स्व. दादासाहब गवई के बाद जिस तरह से डॉ.कमलताई गवई ने पूरे परिवार को संभाला और सामाजिक तथा राजनीतिक जिम्मेदारी को पूरा किया वह अपने आप में किसी आदर्श उदाहरण से कम नहीं है. २ साल पहले उनके जन्मदिन पर डॉ. कासट मित्र मंडल द्वारा उन पर किताब का प्रकाशन किया गया. हम चार लोगों ने नागपुर पहुंचकर उनके निवास स्थान पर इस किताब का प्रकाशन किया था. इस किताब में उनके जीवन कार्यों का उल्लेख किया गया है. इतनी बड़ी हस्ती होने के बाद भी अपने सिर पर समाचार पत्र की रद्दी का गट्ठा लेकर मित्र मंडल के कार्य में सहयोग देने वाली महान विनम्रता उनके जैसे में ही हो सकती है. उससे ही सही मायने में धम्म के आधार पर जीने वाले तथा समाज का कर्ज उतारने का निरंतर प्रयास करने वाली ताई को जन्मदिन की अनंत हार्दिक शुभेच्छा. वे स्वस्थ रहें, प्रसन्न रहे और हम सभी का मार्गदर्शन सदैव करते रहें, यही कामना.

ममतामई, करुणामई, आपुलकीची माया...
आमची मायमाऊली...
मा.डॉ.कमलताई
गवई
यांना वाढदिवसाच्या
मंगलमय हार्दिक शुभेच्छा!

शुभेच्छूक-
आनंद परिवार, अमरावती

मातृत्व से ओतप्रोत माऊली हैं डॉ.कमलताई गवई

जीवन में सम्पन्नता में भी विनम्रता किस तरह हो सकती है, सादगी की प्रतिमूर्ति कोई किस तरह हो सकता है, इसका उदाहरण डॉ.कमलताई गवई हैं. ८२ साल की उम्र में भी सामाजिक कामों में उनकी सक्रियता, परिवार की राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा के साथ ही जिस तरह से शिक्षा, सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र में इस परिवार ने आदर्श कमाया है, वह राज्य ही नहीं समूचे भारत में अमरावती के लिए गर्व से कम नहीं है. ममता की छांव का एहसास उनके सानिध्य में रहने वाले हर व्यक्ति करता है. दुःख की घड़ी में किसी को भी मदद करने के लिए दौड़ने वाली, सांत्वना की खूबी के चलते सभी के लिए वे आदर्श मां से कम नहीं है. कार्यकर्ता भी उन्हें इसी नजर से देखते हैं.

परिवार,पार्टी, सामाजिक सेवा का व्रत लगाता आगे बढ़ाने का कार्य किया. सभी की मंगल कामना करने वाली माय माऊली लाखों लोगों के लिए प्रेरणादायी व्यक्तित्व हैं. उनकी सादगी किसी के लिए भी महत्वपूर्ण आईना हो सकती है. मां के रूप में जहां उन्होंने परिवार तथा कार्यकर्ताओं को ममता दी वहीं दूसरी ओर परिवार को एकता के सूत्र में बांधे रखा. जिले ही नहीं तो राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर इस परिवार को आदर्श उच्च शिक्षित समाज तथा राष्ट्र के लिए समर्पित परिवार के रूप में जाना जाता है. डॉ. कमल ताई गवई स्वयं उच्च विद्या विभूषित हैं. कार्यकर्ताओं का अपार प्रेम जहां उन्होंने पाया है, वहीं अमरावती की जनता के साथ ही महाराष्ट्र की जनता में उनका अलग सम्मान है. सम्पन्नता में भी उनकी सादगी, उनकी विनम्रता सीखने लायक है. इतनी बड़ी हस्ती होने के बाद पास में बैठने वाले किसी गरीब कार्यकर्ता को एहसास नहीं होने देती हैं. उनका अपनापन ही है कि आज हजारों कार्यकर्ता उनके शब्द को प्रमाण मानते हैं. हर कार्यकर्ता को जहां वे अपनापन देती है वहीं कार्यकर्ताओं के

सुख दुख में सदैव मदद के लिए तत्पर रहती हैं. उनके इसी स्वभाव के कारण वे जहां भी

अभिषेक पंजापी
युवा व्यवसायी,अमरावती.

रहती हैं कार्यकर्ताओं की सदैव भीड़ रहती है. संस्था के माध्यम से लाखों दीन-दलितों, गरीबों और समाज के हर तबके के बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाते हुए उनका राष्ट्र के विकास में उपयोग करने के लिए सदैव तत्पर रहती हैं. इस परिवार ने जहां दलितों को ज्ञान के रूप में रोशनी देकर अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने का कार्य किया है, वहीं दूसरी ओर बेहतरीन शिक्षा के माध्यम से हजारों छात्रों का जीवन संवारने में माय माऊली का योगदान रहा है. परिवार के मुखिया के रूप में निश्चित ही सभी के लिए प्रेरणादाई व्यक्तित्व हैं. तमाम ऊंचाइयों के बाद भी उनकी आत्मीयता और विनम्रता किसी को भी बिना प्रभावित किए नहीं रहती है.उनकी सादगी तथा पहली मुलाकात में ही बातचीत करने का उनका अंदाज देखकर कोई भी यह अंदाजा नहीं लग सकता की वे तीन राज्यों के पूर्व राज्यपाल रह चुके राष्ट्रीय स्तर के नेता की धर्मपत्नी हैं. जिनके दोनों बेटे आज राष्ट्रीय स्तर पर जानी-मानी हस्ती हैं. बेटी कीर्ति ताई ने माता-पिता के आदर्श सिद्धांतों पर चलते हुए आज भी पिता दादासाहब गवई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालय से लेकर अभियांत्रिकी महाविद्यालय को न केवल जिले बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन शिक्षा का केंद्र बना दिया है. लाखों बच्चों का भविष्य यहां बन रहा है. वटवृक्ष के रूप में इस संस्था ने आज न केवल राज्य बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर स्वयं का नाम कमाया है. सभी की माय माऊली डॉ.कमलताई गवई को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, उन्हें दीर्घायु हों, यही कामना.

शालीनता की प्रतिमूर्ति है कमलताई

संपन्नता के बाद भी जीवन में सादगी और शालीनता के साथ सामाजिक,शैक्षिक तथा राजनीतिक क्षेत्र मेंअपने कार्य की अमिट छाप छोड़ने वाली डॉ.कमल ताई गवई उच्च विद्या विभूषित रहने के साथ शालीनता की प्रतिमूर्ति समाज सेविका, ममता मयी मां की अनुभूति कार्यकर्ताओं के साथ सदैव सभी को करती हैं. जाने-माने राजनीतिक परिवार की प्रमुख रहने के बाद भी उनकी सादगी किसी का भी ध्यान आकर्षित करती है. अमरावती ही नहीं तो देश-विदेश में भी यह परिवार आदर्श परिवार के रूप में पहचाना जाता है. संपन्नता में भी कोई किसी तरह है विनम्र रह सकता है इसका आदर्श उदाहरण ताई है. सभी

चंद्र कुमार उर्फ लप्पी भैया जाजोदिया
सुख्यात व्यवसाय, समाजसेवी.

का मंगल हो इस भावना से सदैव सामाजिक कार्यों में स्वयं को झोंकने वाली ताई के १३ जुलाई को जन्मदिन पर हमारी मंगल हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें और हम सभी का सदैव मार्गदर्शन करते रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

ममतामयी,करूणामयी डॉ.कमलताई गवई

अमरावती जिले का हर क्षेत्र में गौरवमयी इतिहास हो, चाहे देश को पहली महिला राष्टपति के रूप में प्रतिभाताई पाटील हों अथवा लेडी गर्वनर के रूप में डॉ.कमलताई गवई हों. महिलाओं ने अपने कार्यों से जिले को सदैव गौरवमयी बनाया है. आदर्श परिवार के रूप में दादासाहब गवई परिवार को अत्याधिक सम्मान के साथ देखा जाता है.परिवार ने सामाजिक,राजनीतिक, शैक्षिक क्षेत्र में अपार योगदान दिया है. इसके कारण अमरावती आज न केवल राज्य बल्कि देश-विदेश में भी जाना जाता है. इसी परिवार की प्रमुख डॉ.कमलताई गवई का १३ जुलाई को जन्मदिन है. आराधना फैशन्स परिवार तथा हबलानी परिवार मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं देता है.

जिले ही नहीं तो राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर इस परिवार को आदर्श उच्च शिक्षित समाज तथा राष्ट्र के लिए समर्पित परिवार के रूप में जाना जाता है. डॉ. कमल ताई गवई स्वयं उच्च विद्या विभूषित हैं. कार्यकर्ताओं का अपार प्रेम जहां उन्होंने पाया है, वहीं अमरावती की जनता के साथ ही महाराष्ट्र की जनता में उनका अलग सम्मान है. सम्पन्नता में भी उनकी सादगी, उनकी विनम्रता सीखने लायक है. इतनी बड़ी हस्ती होने के बाद पास में बैठने वाले किसी गरीब कार्यकर्ता को एहसास नहीं होने देती हैं. उनका अपनापन ही है कि आज हजारों कार्यकर्ता उनके शब्द को प्रमाण मानते हैं. सभी की मंगल कामना करने वाली माय माऊली लाखों लोगों के लिए प्रेरणादायी व्यक्तित्व हैं. उनकी सादगी किसी के लिए भी महत्वपूर्ण आईना हो सकता है. माऊली की सादगी और आत्मीयता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार्यकर्ताओं,आमजनता को अपनी हस्ती का एहसास तक नहीं होने देती हैं. कुछ कार्यक्रमों में उनके साथ शामिल होने का सौभाग्य मिला, इस दौरान सम्पन्नता में भी

पुरणसेठ हबलानी
समाजसेवी,अमरावती.

सादगी और विनम्रता की कोई मिसाल कैसे हो सकता है, इसका वे आदर्श कही जा सकती हैं. शहर का मान, सम्मान और गौरव उन्हें कहना गलत नहीं होगा. सामान्य से सामान्य व्यक्ति की आवाज को न केवल सुनती हैं बल्कि दुखी व्यक्ति को हरसंभव हिम्मत बंधाती हैं. आज के दौर में जहां लोगों को मान-सम्मान अधिक लगता है,वहां इतनी पहुंची हुई हस्ती होने के बाद भी सादगी के साथ किसी कार्यकर्ता के सुख-दुःख में शामिल होने वाली डॉ.कमलताई गवई के व्यक्तित्व की ऊंचाई निश्चित ही अमरावतीवासियों के लिए गर्व है. सादगी, विनयशीलता,हर किसी को सम्मान देने तथा उसकी बात सुनने वाली मानसिकता ही उन्हें लाखों की भीडढ़ में भी अलग स्थान दिलाती है. अमरावती में उनके १३ जुलाई को नागरी सम्मान कार्यक्रम को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों और सदैव अमरावती का मार्गदर्शन करती रहें, प्रभु चरणों में यही कामना. हम सभी भाग्यशाली हैं, जिन्हें उनका आशिर्वाद और मार्गदर्शन मिल रहा है.

अभिनंदन बैंक ने किया ५६७ करोड़ का कारोबार

आमसभा में १० फीसदी लाभांश घोषित होने के साथ ही सदस्यों के खाते मे ऑनलाईन जमा, अभिनंदन हाईट्स का कार्य भी तेज

विदर्भ स्वाभिमान, अमरावती– अभिनंदन बैंक की २८वीं वार्षिक आम बैठक रविवार को जैन छात्रावास, मालटेकडी रोड पर बैंक के अध्यक्ष एडवोकेट विजय बोथरा की अध्यक्षता में उत्साहपूर्ण माहौल में हुई. इसमें बैंक की उपलब्धियों की जानकारी उपस्थितों को देने के साथ ही समय के साथ ग्राहकों की सुविधा के लिए दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई. बैंक के सदस्यों की सुविधा के लिए, एजीएम का प्रसारण उन सदस्यों के लिए यूट्यूब पर लाइव किया गया, जो इसमें शामिल नहीं हो सके. इस मौके पर संत गाडगेबाबा अमरावती विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ. मिलिंद बारहाते,पूर्व लेडी गवर्नर कमलताई गवई विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

श्री गणेश, श्री लक्ष्मी, श्री सरस्वती फोटो पूजन तथा दीप प्रज्वलन डॉ.मिलींद बारहाते, एड. विजय बोथरा, उपाध्यक्ष सुरेंद्र बरडिया, संचालक हुकमचंद डागा, प्रबंधन मंडल के अध्यक्ष सुदर्शन गांग, राजेंद्रकुमार सिंघई, कंवरिलाल ओस्तवाल, किशोर बोकारिया, गौरव लुनावत, नवीन चोरडिया, अरुण कडू,श्रेणिक बोथरा, लेडी गवर्नर कमलताई गवई, प्रदीप रूणवाल, अभिनंदन पेंढारी ने किया.वार्षिक आमसभा की शुरुआत मवंदे मातरमफके साथ की गई, जिसके बाद बैंक के दिवंगत सदस्यों, ग्राहकों और शुभचिंतकों को श्रद्धांजलि दी गई। सभी संचालकों ने कुलगुरू डॉ.मिलिंद बारहाते का शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं सम्मान चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

बैंक अध्यक्ष एड. विजय बोथरा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में वित्तीय वर्ष २०२३-२४ के लिए बैंक की प्रगति रिपोर्ट एवं बैठक के सभी विषयों पर मार्गदर्शन किया. बैठक में सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गयी और सर्वसम्मति से इसे मंजूरी दे दी गयी. इस अवसर पर जानकारी देते हुए एड. विजय बोथरा ने कहा कि बैंक के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान की है और ३१ मार्च २०२४ तक बैंक ने अपना कारोबार १७.८०% बढ़ाकर कुल रु. ५६७.१७ करोड़ तक का कारोबार किया है. बैंक का कुल मुनाफा ६ करोड़ १५ लाख, जमा ३४२.१५ करोड़ और ऋण २२५.०२ करोड़ है. बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) २०.४७ फीसदी है जो बैंक की मजबूत और सुदृढ़ वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। साथ ही बैंक का सकल एन.पी.ए. शुद्ध एनपीए ०.३८% है। ०% है. बैंक की नेट वर्थ ४४ करोड़ ३८ लाख है और प्रति कर्मचारी कारोबार ७ करोड़ २७ लाख है जबकि प्रति कर्मचारी मुनाफा ७ लाख ८८ हजार है.

आधुनिक तकनीक को अपनाकर, बैंक ने एटीएम/पीओएस/ईकॉम/आईएमपीएस/एनएसीएच/मोबाइल बैंकिंग/सीटीएस क्लियरिंग/बीबीपीएस/फ्रैंकिंग/कार्ड सेफ ऐप/फास्टैग/यूपीआई/क्यूआर कोड आदि जैसी आधुनिक सेवाओं के साथ-साथ एमपीओएस सुविधा भी शुरू की है। बैंक के चालू खाताधारकों और बैंक जल्द ही अपने ग्राहकों के लिए नया एटीएम लेकर आएगा. यूपीआई के साथ कार्ड सुविधाएं दे रहे हैं. अभिनंदन बैंक ने ग्राहकों की सुविधा के लिए बैंक की सभी शाखाओं में डिजिटल ७/१२, ८ए, क्यूआर स्कैन आदि सुविधाएं भी शुरू की हैं. उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने बैंक के ग्राहकों से इन सभी आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठाने का अनुरोध किया.

बैंक की अपनी इमारत मअभिनंदन हाइट्सफका निर्माण कार्य प्रगति पर है और जल्द ही ग्राहक सेवा के लिए अमरावती में बैंक के मुख्य कार्यालय के साथ एक नई शाखा भी खोलने की जानकारी दी.वित्तीय वर्ष २०२३-२४ के लिए अभिनंदन बैंक के शेयरधारकों को १०% लाभांश भुगतान की मंजूरी डिजिटल रूप से सदस्यों के खातों में जमा होने के तुरंत बाद उपस्थित सभी सदस्यों ने ताली बजाई और खुशी मनाई। अमरावती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मिलिंद बारहाते ने बैंक की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और बैंक द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के साथ-साथ सभी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली सभी सेवा सुविधाओं, बैंक द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों का उल्लेख किया। बैंक का शुद्ध एनपीए ०% और सकल एन.पी.ए. ०.३८% जो विशेष रूप से सराहनीय है. बैंक की निरंतर प्रगति और विभिन्न स्तरों पर प्राप्त पुरस्कारों के साथ-साथ महाराष्ट्र सरकार द्वारा बैंक को मसहकार निष्ठाफऔर मसहकार भूषणफजैसे पुरस्कारों के लिए बैंक के निदेशक मंडल और कर्मचारियों की विशेष रूप से सराहना की गई. इच्छा व्यक्त की कि बैंक जल्द ही एक बहु-राज्य शेड्यूल बैंक बन जाएगा और संत गाडगेबाबा अमरावती विद्यापीठ और अभिनंदन बैंक के बीच कुछ एमओयू करने की पहल करने की भी इच्छा व्यक्त की.

बैंक संचालक एवं प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बैंक की सफलता का श्रेय बैंक के अध्यक्ष चेयरमैन एड.विजय बोथरा के कुशल नेतृत्व, निर्णय लेने की क्षमता और सटीक मार्गदर्शन, निदेशक मंडल की सर्वसम्मति और सभी कर्मचारियों की कड़ी मेहनत को धन्यवाद दिया. साथ ही सभी के साथ ही बैंक का तेजी से विकास होने की बात कही.

लेडी गवर्नर कमलताई गवई ने बैंक के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और बैंक को आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।वार्षिक आम बैठक में बैंक की सभी शाखाओं में उत्कृष्ट खाताधारकों को पुष्पगुच्छ एवं सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया.महावीर संपतराजजी सामरा,रतनसिंग सातु तडवी, सौ. दिप्ती प्रमोदजी अग्रवाल, सौ. विद्या सचिन उमक, हर्षद प्रदीप कुचेरीया, कपिल शेषराव मोहोड, सौ. सोनल पवार, संजय पवार, सौ. नंदा पवार, श्रीराम पवार,बेहतरीन सलाहकार समिति सदस्य के रूप में वरूड शाखा सुनिल जैन, सुनील जैन का भी अभिनंदन किया गया.सदस्यों एवं जमाकर्ताओं की बैंक के प्रति गहरी आस्था के कारण बैंक लगातार प्रगति कर करने और विकास की रफ्तार भविष्य में भी इसी तरह रहने का विश्वास सभी उपस्थितों ने दिलाया.

८० के पार मनोबल अपार

कहते हैं जिसकी खुद की जीतने की तमन्ना हो तो प्रकृति और आसपास का पर्यावरण उनकी मदद के लिए लग जाता है. कुछ इसी तरह की व्यक्तित्व है लेडी गवर्नर डॉ.कमल ताई गव.उम्र के ८० साल के बाद भी थकना मना है का मंत्र समाज को देने वाली कमल ताई की आत्मिता किसी को भी प्रभावित करती है.किसी बड़े व्यक्ति की पत्नी विपश्यना केंद्र की संचालिका,कर्तव्य परायण बेटों की मांसेवानिवृत प्राचार्य तमाम संपन्नता के बाद भी उनकी सादगी किसी को भी प्रभावित करती है.आम लोगों की मदद यथासंभव करने का प्रयास करने के साथ ही किसी कर्मचारी से भी गले लगने में वे कभी स्वयं को कम नहीं मानती हैं डॉ. कमल ताई गवई का परिवार न केवल अमरावती बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर पहचाना नाम रहने के बाद भी उनकी सादगी किसी को भी प्रभावित करती है.

डॉ गोविंद कासट मित्र मंडल का भाग्य है कि वह इससे जुड़ी है.बिना किसी तरह का बड़प्पन किये सदेव सहयोग की भावना रखते हुए मार्गदर्शन तथा विभिन्न कार्यक्रमों में अपार उत्साह के साथ शामिल होती हैं.८० साल की उम्र में उनकी सक्रियता युवाओं को भी प्रभावित करने की ताकत रखती . बाबा आमटे के आनंदवन कर्म स्थल को मित्र मंडल के साथ जाने और उसी दिन वापस लौटने के पैटर्न में बिना किसी हिचक के भाग लेती है.बाबा आमटे के सुपुत्र डॉ. विकास आमटे तो उनके गहरे फैन हो गए हैं.किसी के घर में देहांत होने की जानकारी मिलने पर उस घर में पहुंचना और दोपहर तक परिवार की सांत्वना करने की ममतामई खूबी उनमें है.दूसरे दिन अंतिम यात्रा निकालने तक उसे घर में रुकने और परिवार को हिम्मत बनाने का कार्यकमल ताई करती हैं.इसका कई बार अनुभव हम लोगों को आता है.टोल नाके से गाड़ी निकालने के बाद वहां के कर्मचारियों को बिस्कुट के पूडे देते हुए हमने उन्हें देखा है.तमाम ऊंचाइयों के बाद भी किसी होटल के कर्मचारियों से कचोरी बुलाकर वह स्वयं खाते और साथियों को खिलाते हुए डॉक्टर कमल ताई गवई को देखा गया है.इतना ही नहीं तो कचोरी की प्रशंसा करते हुए देखने के बाद उनकी सादगी और उनके व्यक्तित्व की आसमानी ऊंचाई का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है.वह कहती है कि इससे संबंधित व्यक्ति का उत्साह बढ़ता है.

खुशी की बात हो अथवा दुख की बात हो कभी भी बड़प्पन वाली भावना नहीं रहती है.पत्रिका नहीं भी मिली हो और परिचय का व्यक्ति हो तो ताई वहां जाने में किसी तरह का संकोच नहीं करती है.साथ ही स्वयं कहती है कि पत्रिका देना भूल गया होगा.लेकिन कार्य अच्छा है ना इसके लिए पत्रिका की जरूरत नहीं रहती है.कार्यक्रम में पहुंचने के बाद आत्मीयता के साथ उस परिवार को आशीर्वाद देना नहीं भुलती हैं.

किसी भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आग्रह करते हुए गोविंद भाऊ तुम छोटे बच्चों के जैसे

डॉ.गोविंद कासट
समाजसेवी,अमरावती.

करते हो.मुझे छोटा बच्चा मेरी माउली मानती है.सभी जगह पर घूमते समय छोटे-बड़े का बिना किसी तरह का भेदभाव किये हुए सभी को सम्मान देती .सर्व धर्म समभाव और सभी को सम्मान देने का भाव सदैव रखने वाली डा.कमल ताई को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.आपका आशीर्वाद और प्रेम हम सभी को सदैव मिले,आप स्वस्थ रहें,दीर्घायु हो हम सभी बच्चों की प्रभु के चरणों में यही कामना.

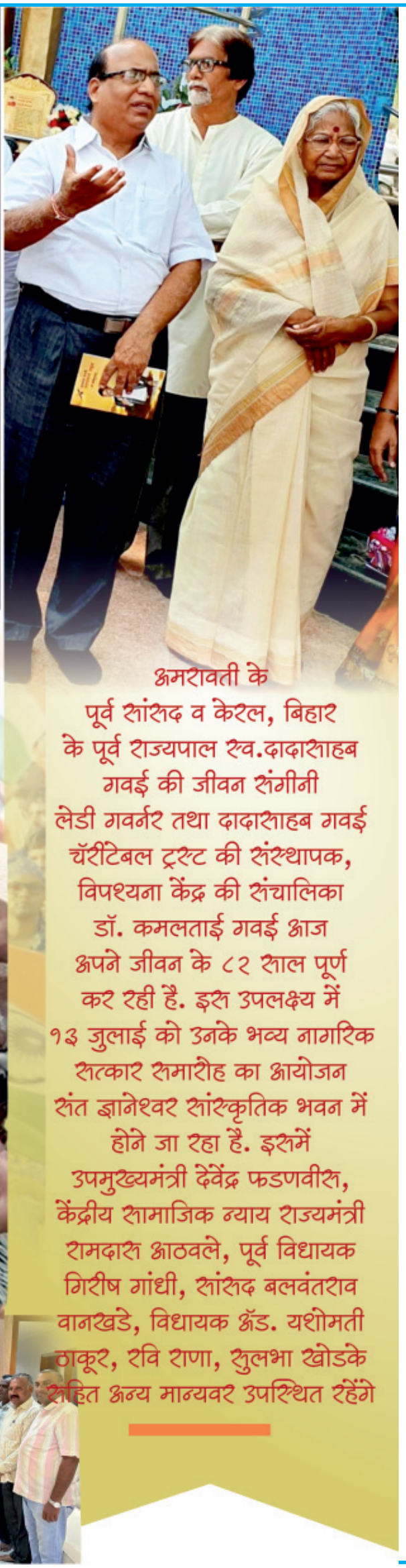

अमरावती के
पूर्व सांसद व केरल, बिहार
के पूर्व राज्यपाल स्व.दादासाहब
गवई की जीवन संगीनी
लेडी गवर्नर तथा दादासाहब गवई
चॅरीटेबल ट्रस्ट की संस्थापक,
विपश्यना केंद्र की संचालिका
डॉ. कमलताई गवई आज
अपने जीवन के ८२ साल पूर्ण
कर रही हैं. इस उपलक्ष्य में
१३ जुलाई को उनके भव्य नागरिक
सत्कार समारोह का आयोजन
संत ज्ञानेश्वर सांस्कृतिक भवन में
होने जा रहा है. इसमें
उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस,
केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्यमंत्री
रामदास आठवले, पूर्व विधायक
गिरीष गांधी, सांसद बलवंतराव
वानखडे, विधायक ॲड. यशोमती
ठाकूर, रवि राणा, सुलभा खोडके
सहित अन्य मान्यवर उपस्थित रहेंगे

मानव धर्म है दुनिया का सबसे बड़ा धर्म

साक्षात्कार में डॉ.कमलताई गवई ने कहा, इन्सान बढ़ने के साथ इंसानियत बढ़ना जरूरी

विदर्भ स्वाभिमान, ११ जुलाई

अमरावती– भगवान गौतम बुद्ध के सिद्धांतों पर चलते हुए मानव अगर जिए तो विश्व में कहीं अशांति नहीं हो सकती है. विश्व में मानव धर्म से बडढ़ा कोई धर्म नहीं है. इंसान तेजी से बढढ़ रहे हैं लेकिन तेजी से घटती इंसानियत चिंता का विषय है. जीवन में माता-पिता का स्थान, परिवार का साथ, समाज का कर्ज लौटाने के लिए हर व्यक्ति द्वारा किया गया प्रयास ही मानवता धर्म को बढढ़ाने का काम कर सकता है. हर इन्सान को इसमें सदैव यथासंभव योगदान देना चाहिए. मानव धर्म के आचरण से ही दुनिया में खुशी लौटेगी, इस आशय का मार्मिक प्रतिपादन लेडी गवर्नर और माऊली के रूप में सुख्यात डॉ.कमलताई गवई ने किया.

अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान के गौरव विशेषांक को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि जितना हो सकता है, हर व्यक्ति को अपना सामाजिक

योगदान देना चाहिए. इन्सानियत से बडढ़ा कर्म और धर्म नहीं हो सकता है. संवेदनशीलता, करूणा का गुण हमारे संस्कारों से आता है. इसलिए आज के दौर में शिक्षा के साथ ही संस्कारों को बढावा देना जरूरी हो गया है. उनके मुताबिक प्रेम,आत्मीयता, स्वभाव तथा सादगी ऐसे गुण हैं, जिसके भरोसे सदैव खुश रहते हुए अपने साथ रहने वालों को भी खुश रखा जा सकता है. विपश्यना केंद्र संचालिका के रूप में लोगों को जीवन का मर्म बताने के साथ ही जीवन में कामयाबी के लिए अथक मेहनत, लगन, समय का नियोजन करना जरूरी रहने की बात कही. जिले की लेडी गवर्नर के साथ ही पूरा जीवन सामाजिक कामों में समर्पित करने वाली सादगी की मिसाल डॉ. कमलताई गवई का कहना है कि जीवन में हमें जो कुछ मिला है, उसमें संतुष्ट होना चाहिए. जीवन में खुशी पैसे से ही नहीं मिलती है. पैसा बहुत कुछ है लेकिन सब कुछ नहीं है. ऐसे में पैसे का महत्व इंसान से अधिक नहीं होना चाहिए. नैतिकता, ईमानदारी, आदर्शवाद ऐसे विषय हैं, जिनका जीवन में अत्याधिक महत्व होता है. जीवन में सदैव यह विचार करें कि जीवन में हमें कितने लोगों की मदद मिली है और जब कुछ करने में हम समर्थ हुए तो हमने कितने जरूरतमंदों की मदद करने का प्रयास किया. जीवन में जब यह चार्ट बराबर होने लगे तो समझ लेना कि जीवन में हम सदैव संतोष के साथ जी सकेंगे. परिवार को अत्याधिक महत्व देने वाली डॉ.कमलताई गवई कहती हैं कि परिवार ही खुशी का सबसे बडढ़ा केन्द्र होता है. ऐसे में परिवार के सदस्यों के बीच जब आपसी समझबूझ और प्रेम होता है तो निश्चित तौर पर परिवार की खुशी के साथ ही समाज की खुशी में भी हमारा योगदान होता है. परिवार की खुशी से समाज और समाज की खुशी से शहर, जिला, राज्य तथा देश में खुशहाली हो सकती है. आज के दौर में सुविधाओं के बाद भी हर व्यक्ति कई बार परेशान होता है, उसकी परेशानी का कारण कई बार उसके विचार होते हैं. अंत में उन्होंने सभी मानव जाति की मंगल हो की कामना करते हुए शहरवासियों के साथ ही सभी से मिले प्रेम को लेकर कृतज्ञता जताई. इसी प्रेम और विश्वास को अपनी ताकत बताते हुए सदैव यथासंभव शहर विकास तथा मानवीय कार्य करते रहने का भरोसा दिलाया.

विदर्भ स्वाभिमान
साक्षात्कार